www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 31 || लखनऊ
शुक्रवार
01 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

# दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

**मौसम**
सूर्योदयः 05:28
सूर्यास्तः 06:39
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 24°00

पेज 03

विशेष समाचार | बंगाल में बहुताय एग्जिट पोल... >> पेज 02 | केशव प्रसाद मौर्य का विपक्ष पर.... >> पेज 04 | कपिल के शो में वर्ल्ड लाफ्टर डे पर मिलेगा ...

# ये नारी को नारा बना रहे : रागिनी सोनकर

## योगी ने कहा- सपा गिरगिट जैसे रंग बदलती है, राजभर से भिड़े सपा विधायक

**बहस**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में गुरुवार को विधान-मंडल का साढ़े 6 घंटे का विशेष सत्र हुआ। इसमें लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल गिरने को लेकर सीएम योगी ने विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया। इस पर अतुल प्रधान ने कहा- ओपी राजभर से बड़ा कोई धोखेबाज नहीं। सुबह भाजपा में होते हैं, शाम होते-होते सपा में चले जाते हैं। इनकी सभाओं में भाजपा के लोगों को चप्पल मारने की बात कही जाती है। इस पर राजभर भड़क गए। सुरेश खन्ना भी खड़े हुए और विधानसभा अध्यक्ष से सपा विधायक के बयान पर ऐतराज जताया। बाद में अतुल प्रधान के बयान को रिकॉर्ड से हटा दिया गया।

>> (शेष पेज 04 पर)

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा- मैं यूपी की नारी हूं, रोज जलाई जाती हूं। राम राज्य का झांसा देकर बलि चढ़ाई जाती हूं। सिंदूर-कोख और इज्जत नोंच जिंदा लाश बनाई जाती हूं। नकली आरक्षण का झांसा देकर शतरंज नचाई जाती हूं। मैं यूपी की नारी हूं, हर रोज जलाई जाती हूं। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा- बीजेपी जिस तरह से महिलाओं के साथ व्यवहार कर रही है वह किसी से छिपा नहीं है। मैं यूपी की नारी हूं, हर रोज जलाई जाती हूं.ङ्क

बीजेपी विधायक अनुपमा जायसवाल को लेकर उन्होंने कहा- अखिलेश यादव जी सबसे पहले जाकर उनका हाल जाना, जबकि अनुपमा जी ने अखिलेश यादव का पोस्टर जलाया था।

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कविता पढ़ी- मैं यूपी की नारी हूं, हर रोज जलाई जाती हूं.ङ्कराम राज्य का झांसा देकर बलि चढ़ाई जाती हूं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि हकीकत यह है कि सपा के लोगों ने ही फूलन देवी को डाकू बनाया था।

### विधानसभा में ध्वनिमत से निंदा प्रस्ताव पारित

यूपी विधानसभा के विशेष सत्र में लंबी चर्चा के बाद नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक का विरोध करने वाले दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विशेषकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों के आरक्षण के पक्ष में हमेशा रही है। देश ने 1947 के विभाजन की त्रासदी देखी है।

विधानसभा में भाजपा और सपा विधायकों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा की महिला विधायक 'साझा हक इत्थे रख' लिखे साइनबोर्ड लेकर पहुंचीं। सपा विधायक 2023 में पास महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और डिप्टी सीएम केशव मौर्य का घेराव किया।

### मायावती बोलीं- बसपा महिला आरक्षण का समर्थन करती है

महिला आरक्षण को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया X पर पोस्ट किया। लिखा- महिलाओं को राजनीति में उचित भागीदारी देने की पहल के तहत देश की संसद लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला काफी लंबी जद्दोजहद के बावजूद भी आगे नहीं बढ़ पाया है। यह अति-दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और अति-चिंतनीय भी है। इसके लिए आज यूपी विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसका बसपा स्वागत करती है और महिला आरक्षण का समर्थन भी करती है।

विधानसभा में सपा विधायकों ने प्रदर्शन किया। महिला आरक्षण लागू करने की मांग की।

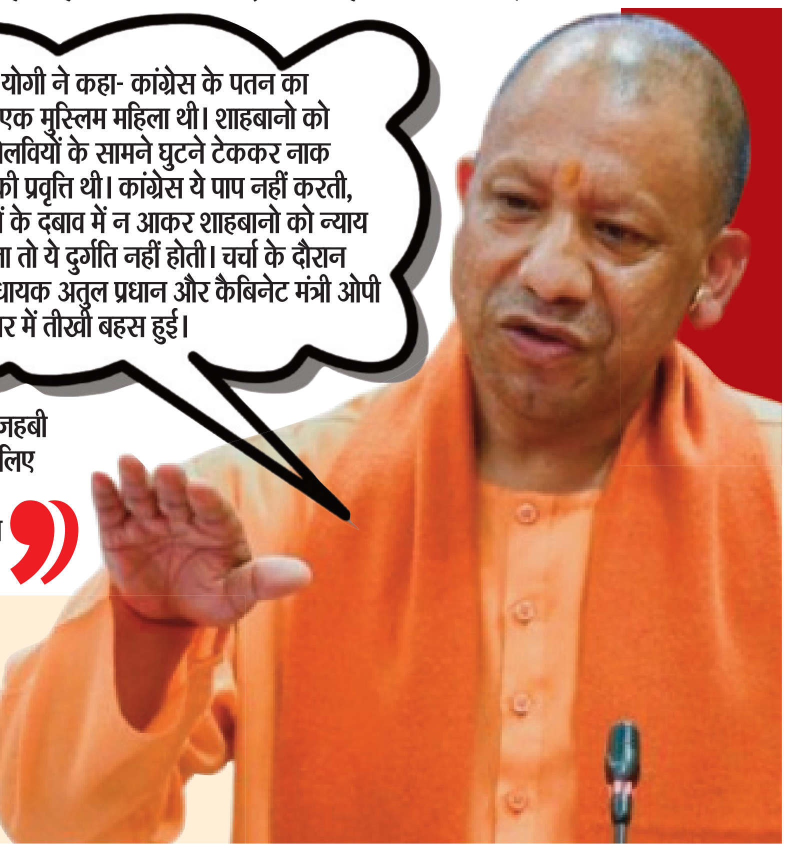

योगी ने कहा- कांग्रेस के पतन का कारण एक मुस्लिम महिला थी। शाहबानो को लेकर मौलवियों के सामने घुटने टेककर नाक रगड़ने की प्रवृति थी। कांग्रेस ये पाप नहीं करती, मौलवियों के दबाव में न आकर शाहबानो को न्याय दिया होता तो ये दुर्गति नहीं होती। चर्चा के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान और कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर में तीखी बहस हुई।

"सीएम योगी ने कहा- भाजपा कभी भी दलित-ओबीसी का विरोधी नहीं रही है, लेकिन हम मजहबी आरक्षण के विरोधी रहे हैं और आगे भी रहेंगे। इस देश ने विभाजन के दंश को झेला है। इसलिए भाजपा मजहबी आरक्षण का विरोध करती रहेगी। हम पिछड़ी, अति पिछड़ी, एससी-एसटी सभी वर्ग के उसके हक के लिए लगातार आवाज उठाते हैं। आप लोग इसके खिलाफ हैं, आपने मांग की मजहबी आरक्षण दिया जाए, इससे ज्यादा दुर्भाग्य कुछ नहीं है।"

### केशव प्रसाद ने निंदा प्रस्ताव पेश किया

केशव ने कहा कि गाजीपुर में विश्वकर्मा समाज की बेटी के साथ जो घटना हुई, उसमें कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को 302 का मुकदमा कायम करके जेल भेजा गया है। जब ये सरकार में थे, तब इन्हें इनकी याद नहीं आई। ये चुनाव के लिए ऐसा कर रहे हैं, लेकिन इसकी इन्हें सजा मिलेगी। महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए। अभी हम 33 प्रतिशत लेकर आए। जब बोया पेड़ बबूल का तो 2027 में आम का पेड़ नहीं मिलेगा। आपके ढोल की पोल खुल चुकी है। पूरा सदन आपके कृत्यों का विरोध करता है। आपसे कहना चाहूंगा कि अखिलेश यादव को समझाइए। वो अपनी गलती का सार्वजनिक माफी मांगें। इसके बाद केशव प्रसाद ने निंदा प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद विधान परिषद की कार्रवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

# ऑपरेशन सिंदूर अपनी मर्जी से रोका : राजनाथ

## भारत आईटी का हब जबकि पाकिस्तान इंटरनेशनल टेररिज्म का

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। जबकि पाकिस्तान को IT यानी इंटरनेशनल टेररिज्म का केंद्र माना जाता है।

>> (शेष पेज 04 पर)

"राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इससे नहीं डरा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की सर्ज कैपेसिटी (अचानक ताकत बढ़ाने की क्षमता) पहले से ज्यादा मजबूत है।

# आईएससी, आईसीएसई रिजल्ट 2026 जारी

## 10वीं में 98%, 12वीं में 99% स्टूडेंट्स पास, टॉपर्स की लिस्ट इस साल भी नहीं की गई रिलीज

तमसा संकेत, एजेंसी

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन यानी सीआइएससीई ने ICSE क्लास 10वीं और ISC 12वीं एग्जाम के रिजल्ट जारी कर दिए हैं। CISCE 10वीं में 98.18% स्टूडेंट्स पास हुए। यह एग्जाम 2.6 लाख स्टूडेंट्स ने दिया था। वहीं 12वीं में 99.13% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र DigiLocker, SMS और UMANG ऐप के जरिए भी अपनी मार्कशीट देख और डाउनलोड कर सकते हैं। इस साल इन परीक्षाओं में 4 लाख से ज्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया है। स्टूडेंट्स ऑफिशियल वेबसाइट results.cisce.org पर जाकर रिजल्ट चेक कर सकते हैं। ऑफिशियल वेबसाइट पर स्टूडेंट्स को अपना यूनिक UID और

इंडेक्स नंबर डालना पड़ेगा, तभी वे अपना रिजल्ट देख पाएंगे। ICSE (10वीं) में पास होने के लिए कम से कम 33% अंक लाने जरूरी हैं, जबकि ISC (12वीं) में पास होने के लिए 35% अंक जरूरी हैं। आईसीएसई (10वीं) और आईएससी (12वीं) के लिए CISCE अब टॉपर्स की कोई ऑफिशियल लिस्ट जारी नहीं करता है। बोर्ड ने यह फैसला इसलिए लिया है ।

>> (शेष पेज 04 पर)

**फास्ट न्यूज**

### युवा कांग्रेस को 8 दिन में मिले 7 करोड़ रुपए

अलवर। राजस्थान में 8 दिन में युवा कांग्रेस के 9 करोड़ से ज्यादा मेंबर बन चुके हैं। मेंबरशिप की फीस से करीब 7 करोड़ रुपए मिले हैं। दूसरी ओर, पिछले एक साल में कांग्रेस पार्टी को पूरे राजस्थान से केवल 25 करोड़ रुपए का चंदा मिला था। युवा कांग्रेस के चुनाव के लिए हर बार पार्टी का सदस्य बनना पड़ता है। हर सदस्य के लिए इस बार 75 रुपए शुल्क जमा कराना अनिवार्य है।

### सुप्रीम कोर्ट में हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि अदालत संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। अदालत केवल जरूरत की ओर ध्यान दिला सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि नीति बनाना और कानून तैयार करना विधायिका के दायरे में आता है। अदालत इसमें दखल नहीं दे सकती। कोर्ट ने यह फैसला उन याचिकाओं पर दिया, जिनमें केंद्र सरकार को हेट स्पीच और अफवाह फैलाने से जुड़े कानूनों की समीक्षा कर नया कानून बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

### दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर चलती कार में आग, 5 जिंदा जले

अलवर। अलवर के मौजपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर चलती कार में आग लग गई। हादसे में 5 लोग जिंदा जल गए। रेस्क्यू टीम को आग बुझाने के बाद अर्टिगा कार में से केवल हड्डियां मिलीं हैं। कार ड्राइवर आग लगते ही बाहर कूद गया था। उसे गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया है। कार सवार परिवार श्योपुर (मध्य प्रदेश) के चैनपुरा के रहने वाला था।

# जबलपुर में क्रूज डूबा, 4 शव मिले

## कई लापता, 29 पर्यटक सवार थे, 15 तैरकर निकले, नर्मदा के बरगी डैम में हादसा

- बरगी डैम में क्रूज डूबने के बाद बचाव के लिए नाव पहुंची।
- एसडीआरएफ की टीम भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना हो गई। इस हादसे में क्रूज पर सवार 15 लोग तैरकर बाहर आ गए हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में गुरुवार शाम एमपी टूरिज्म का पर्यटकों से भरा एक क्रूज डूब गया। हादसा खमरिया टापू के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक क्रूज में 29 लोग सवार थे। 15 लोग तैरकर बाहर निकल आए हैं। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंची। अब तक 4 शव मिलने की पुष्टि हुई है। जबकि बाकी लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आ रही है। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि अचानक आए तेज तूफान के कारण क्रूज संतुलन खो बैठा और डूब गया। जबलपुर के बरगी डैम में क्रूज हादसे में कुल 29 लोग सवार थे। इनमें से 15 लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए हैं, जबकि बाकी की तलाश जारी है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी संपत उपाध्याय मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकारी और रेस्क्यू टीम बड़े टॉर्च की मदद से अंधेरे में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बचाव अभियान अभी भी जारी है, क्योंकि कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. अधिकारियों का मानना है कि अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज तूफान के कारण क्रूज ने अपनी संतुलन खो दिया और पलट गया. जबलपुर के बरगी डैम में क्रूज हादसे में कुल 29 लोग सवार थे। इनमें से 15 लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए हैं, जबकि बाकी की तलाश जारी है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी संपत उपाध्याय मौके पर पहुंच गए हैं।

### कैसे हुआ हादसा?

लोगों ने बताया कि अचानक आए तेज तूफान के कारण क्रूज संतुलन खो बैठा और डूब गया. हादसे के बाद चीख पुकार मच गई. आज सुबह से ही जबलपुर में तेज हवाएं चल रही हैं.

### खड़गे ने कहा- टीएमसी से गठबंधन पर बाद में फैसला, बंगाल में ईवीएम छेड़छाड़ के 77 मामले

# एग्जिट पोल भाजपा के इशारे पर दिखाए गए : ममता बनर्जी

**दावा**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार शाम वीडियो मैसेज जारी कर दावा किया कि राज्य में फिर से TMC सरकार बनेगी। ममता ने कहा- TMC बंगाल में 294 में से 226 से ज्यादा सीटें जीतकर फिर से सत्ता में लौटेगी। ममता ने कहा, 'एग्जिट पोल भाजपा के इशारे पर दिखाए गए, ताकि TMC कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ा जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों ने चुनाव के दौरान भाजपा के एजेंट की तरह काम किया।' वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नतीजों के बाद बंगाल में TMC के साथ गठबंधन पर फैसला लिया जाएगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

### खड़गे बोले- बंगाल में टीएमसी को समर्थन पर फैसला बाद में

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एग्जिट पोल पर तहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस गठबंधन में है, और केरलम में कांग्रेस गठबंधन को साफ बहुमत मिलेगा।

खड़गे ने कहा कि पुडुचेरी में कांग्रेस ने कड़ा मुकाबला किया है और बंगाल में पार्टी की लड़ाई अपने संगठन को मजबूत करने के लिए रही। खड़गे ने बंगाल में टीएमसी से गठबंधन पर कहा- देखते हैं, अभी कुछ कहना ठीक नहीं होगा।

### ममता ने कहा- एग्जिट पोल पैसे देकर और दबाव में करवाए गए हैं

ममता ने वीडिया मैसेज में कहा- हम बंगाल के लोगों के बहुत आभारी हैं। भीषण गर्मी और अत्याचारों के बावजूद आपने वोट डाला। मैं TMC के कार्यकर्ताओं की भी आभारी हूं, जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर लड़ाई लड़ी और केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और 19 राज्यों के भाजपा नेताओं के दबाव को झेला।

### बंगाल सीईओ बोले- 77 ईवीएम छेड़छाड़ के मामले सामने आए

बंगाल के चीफ इलेक्शन ऑफिसर मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि 29 अप्रैल को बंगाल में सेकेंड फेज चुनाव के दौरान 77 EVM में छेड़छाड़ के मामले सामने आए। उन्होंने 2 मई से पहले उन बूथों पर दोबारा मतदान के संकेत दिए। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पैसे, ताकत और हथियारों से बंगाल को दबाने की कोशिश की, लेकिन जनता ने बैलेट से उन्हें जवाब दिया। CM ने कहा- एग्जिट पोल पैसे देकर और दबाव में करवाए गए हैं। हम 2026 में 226 से ज्यादा सीटें जीतेंगे।

### केंद्र से कहा- अपने कानून में बदलाव करें, अभी 24 हफ्ते तक गर्भपात का नियम

# रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ल। सुप्रीम कोर्ट ने 15 साल की रेप विक्टिम को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने केंद्र से कहा कि ऐसे मामलों में अबॉर्शन के लिए टाइम लिमिट से जुड़े कानून में बदलाव करना चाहिए।। CJI ने कहा, 'कानून ऐसा होना चाहिए, जो समय के साथ बदलता रहे और मौजूदा हालात के अनुसार चले। नाबालिग को जबरन मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

>> (शेष पेज 04 पर)

### अबॉर्शन से जुड़े केस में एससी के 3 अहम फैसले

14 साल की नाबालिग रेप विक्टिम का केसः सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में महाराष्ट्र की 14 साल की रेप पीड़ित को 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन करने की इजाजत दे दी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग के मानसिक और शारीरिक आघात का सही आकलन नहीं किया। SC ने कहा कि नाबालिग को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भ रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

### एम्स ने कहा था- नाबालिग शायद फिर कभी मां न बन पाए

15 साल की लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के कारण प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट (MPT Act) में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी।

कोर्ट ने कहा कि अगर अदालतें अनचाही गर्भावस्था को जारी रखने पर जोर देंगी तो महिलाएं अवैध अबॉर्शन सेंटर्स का सहारा लेने या छिपकर गर्भपात कराने को मजबूर हो सकती हैं।

इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बढ़ जाएगा।

# यूपी और बिहार में आंधी-बारिश से हुई 18 मौतें

## राजस्थान के कोटा में मकान पर बिजली गिरी

**तापमान**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46°C के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3°C तक घट भी गया। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गरिने से 2 लोगों की मौत हो गई।

- प्रयागराज में लोग गर्मी और तेज धूप से बचने के लिए गद्दे से सिर ढंककर निकले।
- प्रयागराज में गर्मी से बचने के लिए कौवे मिट्टी के सकोरे से पानी पीते नजर आए।

कई जिलों में पेड़ गिर गए। उत्तराखंड के मसूरी में गुरुवार को ओले गिरे।

# सम्पादकीय

## खाड़ी देशों में फूट

यूएई का ओपेक छोड़ने का यह फ़ैसला लगभग 59 साल बाद आया है और इसे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल कार्टेल ओपेक के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यूएई के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा, 'यह फैसला हमारे देश की लंबी अवधि की रणनीतिक और आर्थिक नजरिए को लेकर है। हम अब अपनी ऊर्जा क्षमता को और बढ़ा रहे हैं और घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेजी से निवेश कर रहे हैं। हम वैश्विक ऊर्जा बाजार में जिम्मेदार, भरोसेमंद और भविष्य की ओर देखने वाली भूमिका निभाते रहेंगे।Ó यूएई ने यह भी कहा कि बाहर निकलने के बाद भी वह जिम्मेदारी से काम करेगा और बाजार की मांग के अनुसार धीरे-धीरे अतिरिक्त तेल उत्पादन बढ़ाएगा। दरअसल, यूएई ने अपनी तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। लेकिन, वह ओपेक के लगाए गए उत्पादन में कटौती के प्रतिबंध के कारण अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा है। इससे उसकी राजस्व क्षमता घट रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूएई लगभग 2.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल का उत्पादन करता है। जबकि उसकी वर्तमान क्षमता 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक है। अब उसका लक्ष्य 2027 तक 5 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंचने का है। ऐसे में ओपेक से बाहर निकलने के बाद, यूएई अब बिना किसी कोटा प्रतिबंध के अपनी इस पूरी क्षमता से तेल उत्पादन कर सकेगा। ऊपरी तौर पर यही समझ आ रहा है कि यूएई लंबे समय से ओपेक के उत्पादन प्रतिबंधों से परेशान था, इसलिए उसने संगठन छोड़ने का फैसला किया। हालांकि इस फैसले के पीछे सऊदी अरब के साथ बढ़ते विवाद प्रमुख कारण लग रहे हैं। यूएई और सऊदी अरब, ये दोनों देश कई मोर्चों पर आमने-सामने हैं। ओपेक पर सऊदी अरब का वर्चस्व है। सऊदी अरब ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए ओपेक देशों से उत्पादन कम करने की नीति को मंजूरी दिला दी। यूएई ने पाक-सऊदी अरब गठबंधन के खिलाफ अपना विरोध खुलकर दिखा दिया है। यूएई इसलिए नाराज़ है कि हालिया संघर्ष में ईरान ने यूएई पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। यूएई के मुताबिक, उसके एयर डिफेंस ने सैकड़ों मिसाइलें और हजारों ड्रोन रोकें। लेकिन जीसीसी यानी खाड़ी सहयोग परिषद के दूसरे देशों से खास समर्थन नहीं मिला। यूएई ने पाकिस्तान से ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाने को कहा, लेकिन पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। इससे यूएई नाराज हो गया। यूएई ने जब पाकिस्तान से साढ़े तीन अरब डॉलर का कर्ज समय से पहले वापस मांगा तो उधर सऊदी अरब ने पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर का कर्ज दिया और और 5 अरब डॉलर की मदद का वादा किया। इसके अलावा सितंबर 2025 में सऊदी अरब और पाकिस्तान ने रक्षा समझौता किया, जिसमें पाकिस्तान सऊदी की सुरक्षा में मदद कर सकता है। पाकिस्तान के पास इस्लामी देशों में एकमात्र परमाणु हथियार हैं। ऐसे में यूएई को इस बढ़ते गठबंधन से असुविधा हो रही है। ध्यान रखने वाली बात यह है कि यूएई भारत के साथ अच्छे संबंध रखता है, जबकि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच एक नया गठबंधन बनता दिख रहा है। इसके अलावा दोनों देशों में यमन और सूडान में सैन्य टकराव और क्षेत्रीय नेतृत्व को लेकर होड़ है। सऊदी अरब ने यूएई पर अपनी सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंचाने का भी आरोप लगाया है। इससे आशंका जताई जा रही है कि दुनिया में तेल को लेकर संकट और ज्यादा गंभीर हो सकता है, जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। वैसे यूएई के इस फैसले को खाड़ी देशों में फूट के तौर पर भी देखा जा रहा है। ध्यान रहे कि यूएई जब एक देश के तौर पर अस्तित्व में नहीं आया था, तब से वह ओपेक का सदस्य रहा है, पहले 1967 में अपने अमीरात अबू धाबी के माध्यम से और बाद में जब संयुक्त अरब अमीरात 1971 में एक स्वतंत्र देश बन गया, तब भी वह ओपेक का सदस्य रहा। इसलिए अब उसके अलग होने को भू राजनैतिक में बदलाव की एक बड़ी घटना की तरह देखा जा रहा है, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। फिलहाल आशंका बढ़ रही है कि ओपेक से अलग होने के बाद जब यूएई अपनी तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा तो वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों पर नए किस्म की जंग छिड़ेगी, जिसमें सऊदी अरब भी जवाब देने उतर जाएगा। बड़े देश तो इस संकट से पार पा जाएंगे, लेकिन दुनिया के अविकसित और विकासशील देशों के साथ-साथ ओपेक के ग़रीब सदस्यों को भी इसमें तकलीफ होगी। अब देखना होगा कि सऊदी अरब और अन्य सदस्य देश इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो कम से कम इस बार भारत को अमेरिका की तरफ से इशारा मिलने का इंतजार किए बिना अपने स्तर पर आकलन करके प्रतिक्रिया देनी चाहिए। सऊदी अरब ने खुलकर अमेरिका और पाकिस्तान दोनों के लिए अपने झुकाव का इजहार किया है, यूएई ने इस माहौल में नए समीकरण बनाने की कोशिश की है। गुटनिरपेक्ष भारत ने हमेशा ऐसे हालात में संतुलन बनाए रखा ताकि न वैश्विक मोर्चे पर, न घरेलू स्तर पर उसे परेशानियां उठानी पड़ें। खाड़ी देशों में फूट उनके अपने हित में नहीं है, और भारत के लिए भी सही नहीं है, क्योंकि अमेरिका या चीन जैसी ताकतें ऐसे ही मौकों की तलाश में रहती हैं।

# बंगाल में बहुताय एग्जिट पोल भाजपा के पक्ष में, क्या यह 4 मई तक कायम रह पाएंगे

> पर्यवेक्षकों में प्रणय रॉय भी शामिल थे, जिन्होंने बाद में एनडीटीवी की स्थापना की। (मैं इस अंतर पर जोर देना चाहता हूं, यह एग्जिट पोल नहीं था। इसका उद्देश्य मतदाताओं के मूड का आकलन करना था।उसके बाद ओपिनियन पोल और फिर एग्जिट पोल हर चुनाव में एक मानक बन गए।

30 अप्रैल 2026 के एग्जिट पोल और राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी (दीदी) और तृणमूल कांग्रेस (TMC) के लिए चुनावी मुकाबला कांटे का बताया जा रहा है, और कुछ सर्वेक्षणों में उन्हें खतरे के निशान (कड़ी चुनौती) पर दिखाया गया है। पश्चिम बंगाल के अलावा असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा का चुनाव हो चुका है और लोग अब नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। वोटिंग खत्म होने के साथ ही इन सभी विधानसभाओं के अलग-अलग एग्जिट पोल भी सामने आ गए हैं। पश्चिम बंगाल को लेकर आए अलग-अलग एग्जिट पोल्स अलग-अलग कहानियां कह रहे हैं। 294 सीटों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में बहुमत के लिए 148 सीट चाहिए। पी-मार्क एग्जिट पोल में टीएमसी को 118-138, बीजेपी को 150-175 सीटें और अन्य को 2-6 सीटें दी गई हैं। कई सर्वे पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने का दावा कर रहे हैं। वहीं ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को पिछड़ता हुआ दिखाया जा रहा है। वोटिंग के बाद एग्जिट पोल अक्सर माहौल बना देते हैं। टीवी स्टूडियो में बहस तेज हो जाती है और जनता के बीच नतीजों की तस्वीर बनने लगती है।

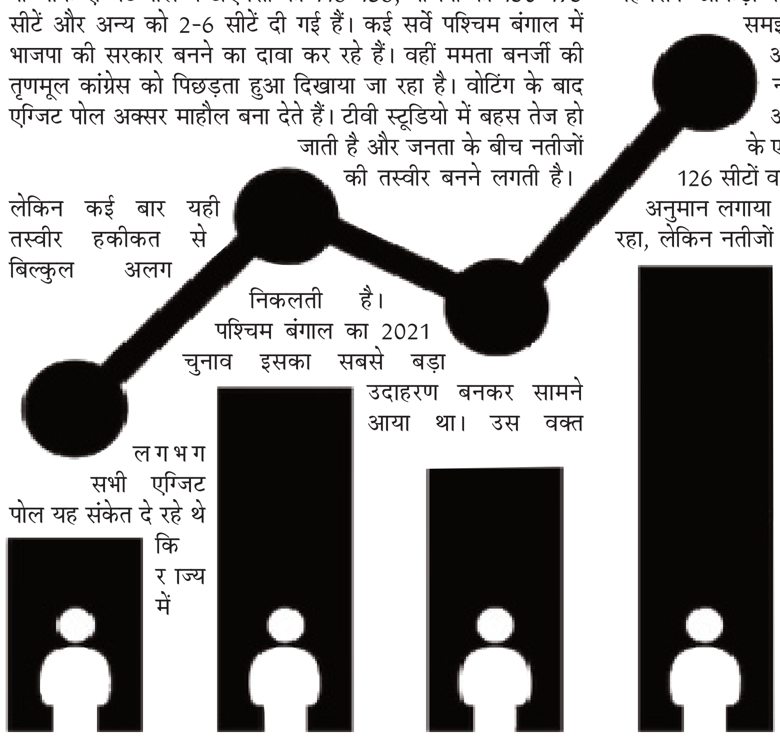

लेकिन कई बार यही तस्वीर हकीकत से बिल्कुल अलग निकलती है। पश्चिम बंगाल का 2021 चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया था। उस वक्त लगभग सभी एग्जिट पोल यह संकेत दे रहे थे कि राज्य में भाजपा बड़ी ताकत बनकर उभरेगी और सत्ता की चाबी उसके हाथ में जा सकती है। 'कमल खिलने' की बात जोर-शोर से कही जा रही थी। लेकिन जब असली नतीजे आए तो पूरा समीकरण बदल गया। मैदान वही था, खिलाड़ी वही थे, लेकिन जीत की कहानी अलग लिखी गई। इसने एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। इतिहास देखे तो 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कुल 294 सीटें थीं। एग्जिट पोल में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर दिखाई गई थी। कई सर्वे ने भाजपा को बढ़त भी दी थी। लेकिन नतीजों में तस्वीर पूरी तरह उलट गई। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने भारी बहुमत हासिल किया और भाजपा उम्मीद से काफी पीछे रह गई। यह सिर्फ आंकड़ों का फर्क नहीं था, बल्कि जमीन पर वोटिंग पैटर्न को समझने में बड़ी चूक थी। ग्रामीण वोट, महिला वोटर और स्थानीय मुद्दों को एग्जिट पोल सही तरह पकड़ नहीं पाए। यही वजह रही कि 'कमल खिलने' का अनुमान नतीजों में फीका पड़ गया। असम में 2021 के एग्जिट पोल काफी हद तक सही साबित हुए थे। कुल 126 सीटों वाले राज्य में अधिकांश सर्वे ने भाजपा की वापसी का अनुमान लगाया था। हालांकि सीटों की संख्या में थोड़ा अंतर जरूर रहा, लेकिन नतीजों की दिशा वही रही। इससे यह साफ हुआ कि कुछ राज्यों में एग्जिट पोल बेहतर काम करते हैं, खासकर जहां राजनीतिक समीकरण ज्यादा स्थिर होते हैं। तमिलनाडु में एग्जिट पोल ने साफ संकेत दिया था कि द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम सत्ता में वापसी करेगी। हालांकि सीटों का अनुमान थोड़ा ज्यादा था, लेकिन नतीजों में DMK की जीत पूरी तरह सही साबित हुई। इससे यह भी पता चलता है कि जब माहौल साफ होता है, तो एग्जिट पोल की सटीकता बढ़ जाती है। देखा जय तो भारत में चुनावी रुझानों को समझने के लिए एग्जिट पोल एक अहम उपकरण के रूप में उभरा है। देश में एग्जिट पोल की शुरुआत वर्ष 1957 में दूसरे लोकसभा चुनावों के दौरान हुई थी। इस पहल का श्रेय इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक ओपिनियन (IIPO) को जाता है, जिसने पहली बार मतदाताओं की पसंद को जानने के लिए इस तरह का सर्वेक्षण किया था।

एग्जिट पोल जैसा कि नाम से स्पष्ट है मतदान प्रक्रिया के अंतिम चरण के बाद किए जाते हैं। एग्जिट पोल मतदान के बाद वास्तविक मतदाताओं से बातचीत के आधार पर तैयार होते हैं। इसमें मतदाताओं से पूछा जाता है कि उन्होंने किस पार्टी या उम्मीदवार को वोट दिया और उनके निर्णय के पीछे क्या कारण रहे। इन सर्वेक्षणों में आमतौर पर विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले मतदाताओं का नमूना (सैंपल) लिया जाता है। इसके जरिए राजनीतिक दलों के प्रति जनता की सोच और चुनावी प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एग्जिट पोल पूरी तरह सटीक नहीं होते, क्योंकि ये सीमित सैंपल और अनुमानों पर आधारित होते हैं।ये सर्वे पोलिंग बूथ से बाहर निकलते समय मतदाताओं से किए जाते हैं। शोधकर्ता तब आंकड़ों और संभाव्यता सूत्रों का उपयोग करके परिणामों का पूर्वानुमान लगाते हैं। पहला ज्ञात एग्जिट पोल 1936 में आयोजित किया गया था जब गैलप नामक एक विश्लेषणात्मक फर्म ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अल्फ लैंडन पर फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट की जीत की सटीक भविष्यवाणी की थी। इसके लिए फर्म ने वैज्ञानिक रूप से कुछ हजार लोगों का सैंपल लिया था।वहीं भारत में, एग्जिट पोल 1980 के दशक के अंत में बढ़े जब राजनीतिक व्यवस्था चरमरा रही थी। मतदाताओं के भीतर कई उपसमूह उभर रहे थे और क्षेत्रीयकरण की एक मजबूत प्रवृत्ति थी। नतीजतन, मतदाता को समझना आसान नहीं रह गया था। ऐसे में रिसर्च फर्म उभरकर सामने आईं, जिन्होंने चुनावी निर्णय लेने की प्रक्रिया के रहस्यों को गहराई से समझने और सुलझाने का वादा किया। इसे प्राप्त करने के लिए, शोधकर्ता नमूना सर्वेक्षण करते हैं। यहीं से समस्याएं शुरू होती हैं। 1।4 बिलियन के देश के लिए , नमूना आकार शायद ही कभी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।कुछ शोधकर्ता लोगों से यह इंगित करने के लिए कहते हैं कि उन्होंने इसे एक चार्ट पर गुमनाम रूप से चिह्नित करके किसे वोट दिया है और यह एक बॉक्स में गिर जाता है। अन्य लोग बिना किसी सीधे मांग के कई सवाल पूछते हैं कि उन्होंने किसे वोट दिया।कई लोग मतदाता व्यवहार की भविष्यवाणी करने के लिए मॉडलिंग तकनीकों का उपयोग करते हैं, जो समस्याग्रस्त भी है। प्रत्येक राज्य अद्वितीय है और अपने पड़ोसी से अलग है। यहां तक कि सामाजिक आर्थिक रूप से समान क्षेत्रों के बीच, मतदाता अलग-अलग, ऐतिहासिक, राजनीतिक या सामाजिक कारणों से अलग-अलग चुन सकते हैं।

**अशोक भाटिया**

## जन सुराज का...

लाल कमल

# स्वस्थ बचपन, सुरक्षित भविष्यः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आंगनवाड़ी पोषण क्रांति

*जनपद मिर्जापुर के ग्राम चांदलेवा कला का आंगनवाड़ी केन्द्र आज उस सच्चे जज्बे का नाम बन चुका है, जो बिना किसी दिखावे के समाज में गहरा बदलाव लाया है। इस केन्द्र के बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार आया है। पूरे गांव में जागरूकता की एक मजबूत नींव भी खड़ी हुई है। 1185 की जनसंख्या वाले इस गांव में यह आंगनवाड़ी केन्द्र विभागीय भवन में स्थित है।*

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना प्रदेश के नौनिहालों के समग्र विकास की दिशा में एक दूरदर्शी और जनोपयोगी पहल के रूप में स्थापित हुई है। इस योजना का उद्देश्य केवल बच्चों को भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें कुपोषण से मुक्त कर स्वस्थ, सक्षम और शिक्षित नागरिक बनाना है। विशेष रूप से 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों तथा भारत सरकार की प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (पीएम पोषण) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। केंद्र सरकार द्वारा प्री-प्राइमरी स्तर के बच्चों को भी पोषण योजना के दायरे में लाने के निर्णय के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे प्रभावी रूप से लागू करते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों तक विस्तारित किया। प्रदेश सरकार ने 12 अक्टूबर 2023 से प्रदेश में इस व्यवस्था को सुदृढ़ रूप से लागू किया गया है। 24 नवंबर 2023 को अयोध्या से प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा इस योजना का शुभारंभ किया गया, जिसने बाल पोषण के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान की। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 1.90 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों पर यह योजना सफलतापूर्वक संचालित हो रही है, जिससे लाखों बच्चों को प्रतिदिन लाभ मिल रहा है। यह पहल न केवल पोषण सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है, बल्कि सामाजिक समावेशन को भी बढ़ावा दे रही है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहे हैं। बच्चों को प्रतिदिन प्रोटीन और कैलोरी युक्त संतुलित भोजन मिलने से उनके शारीरिक विकास में सुधार हुआ है। कुपोषण के स्तर में कमी आई है, वहीं एनीमिया (खून की कमी) जैसी समस्याओं में भी गिरावट दर्ज की गई है। बच्चों के वजन और ऊंचाई में सुधार के साथ-साथ उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि हुई है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी इस योजना का प्रभाव उल्लेखनीय है। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के नामांकन और उपस्थिति में वृद्धि हुई है। जब बच्चों को ताजा और स्वादिष्ट भोजन मिलता है, तो वे नियमित रूप से केंद्रों पर आते हैं, जिससे उनकी प्रारंभिक शिक्षा मजबूत होती है और स्कूल जाने की आदत विकसित होती है। प्रदेश ने इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक सुदृढ़ और व्यावहारिक मॉडल अपनाया गया है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग तथा पंचायती राज संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। जिन आंगनवाड़ी केंद्रों की दूरी प्राथमिक विद्यालयों से 200 मीटर के भीतर है, वहां विद्यालय की रसोई का उपयोग कर भोजन तैयार किया जाता है और आंगनवाड़ी सहायिकाओं द्वारा बच्चों तक पहुंचाया जाता है। वहीं, दूरस्थ केंद्रों पर सहायिकाओं द्वारा ही भोजन तैयार किया जाता है। भोजन की गुणवत्ता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए सप्ताहवार मेनू निर्धारित किया गया है, जिसमें दाल-चावल, रोटी-सब्जी, तहरी और खिचड़ी जैसे पौष्टिक व्यंजन शामिल हैं। यह न केवल बच्चों को संतुलित आहार प्रदान करता है, बल्कि उनके स्वाद और रुचि का भी ध्यान रखता है। साथ ही भोजन तैयार करने वाले रसोइयों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देकर उनकी भूमिका को भी सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में संचालित यह योजना उत्तर प्रदेश के बच्चों के बेहतर भविष्य की आधारशिला रख रही है। यह पहल न केवल पोषण सुधार का माध्यम है, बल्कि एक सशक्त, स्वस्थ और शिक्षित समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। प्रदेश सरकार की कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत आंगनबाड़ी कार्यकत्री नियमित रूप से गृह भ्रमण करती हैं, प्रत्येक परिवार से संवाद स्थापित करती हैं और माताओं को बच्चों के सही पोषण, समय पर टीकाकरण, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दे रही हैं। गर्भवती महिलाओं को विशेष रूप से संतुलित आहार, प्रसव पूर्व तैयारी और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता है और बच्चे के जन्म के एक घंटे के भीतर ही स्तनपान कराने पर जोर दिया जाता है, जिससे नवजात को जीवन की सबसे पहली और जरूरी सुरक्षा मिल सके। सही पोषण और परिवार को मार्गदर्शन देकर सामान्य श्रेणी में लाया गया है। अब गांव में यह जागरूकता विकसित हो चुकी है।

## जनपद में पर्यटन...

जनपद-मैनपुरी

# धार्मिक पर्यटन और विकास की नई इबारत लिखता जनपद मैनपुरीः सरकारी योजनाओं से बदली विरासत की तस्वीर

जनपद मैनपुरी सदियों से धार्मिक आस्था, प्राचीन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का केंद्र रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार की सुयोजित योजनाओं और वित्तीय निवेश ने इस ऐतिहासिक धरा को एक वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित कर दिया है। 17 अप्रैल 2026 तक की प्रगति रिपोर्ट पर नज़र डालें तो स्पष्ट होता है कि जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के साझा प्रयासों से यहाँ के मंदिरों, आश्रमों और तीर्थस्थलों का न केवल जीर्णोद्धार हुआ है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। पर्यटन विकास की इस यात्रा का श्रीगणेश वित्तीय वर्ष 2020-21 में हुआ, जब लगभग 46 लाख की शुरुआती लागत से लालपुरी मंदिर महाराज मेला स्थल, खप्पर वाले बाबा सेवा आश्रम और मार्कण्डेय ऋषि आश्रम का विकास किया गया। यह भले ही एक छोटी शुरुआत थी, लेकिन इसने विकास की एक ऐसी मज़बूत नींव रखी जिसने स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के प्रति स्थानीय जनता में एक सकारात्मक विश्वास जगाया। इसके ठीक बाद वित्तीय वर्ष 2021-22 में धार्मिक सौहार्द की एक अनुपम मिसाल पेश करते हुए 48.84 लाख की लागत से करीमगंज स्थित मंदिर और खान बाबा की मज़ार का एक साथ विकास किया गया, जिसने समाज में एकता और समरसता का संदेश प्रवाहित किया। विकास का यह पहिया वित्तीय वर्ष 2022-23 में और तेज़ी से घूमा, जब सरकार ने 1181.91 लाख का भारी-भरकम बजट आवंटित कर रामलीला मैदान, मार्कण्डेय मंदिर विधूना, ऋषि आश्रम औंछा और मयन ऋषि आश्रम का व्यापक कायाकल्प कराया। इन परियोजनाओं के तहत केवल मंदिरों की दीवारों को ही नहीं संवारा गया, बल्कि आगंतुकों के लिए बैठने की व्यवस्था, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, शौचालय और पार्किंग जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया गया, जिससे रामलीला मैदान जैसे स्थलों को स्थानीय कलाकारों के लिए एक बड़ा मंच प्राप्त हुआ। आधुनिकता और विस्तार के इसी क्रम को जारी रखते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1984 लाख खर्च किए गए, जिसके अंतर्गत ग्राम सहन में थिमेटिक गेट का निर्माण, शनिदेव मंदिर, सत्य कैलाश आश्रम नौरंगपुर, तुलसीदास मंदिर अड्डूपुर और प्राचीन घंटाघर जैसे स्थलों को व्यवस्थित और आधुनिक रूप दिया गया। करहल रामलीला मैदान के सुदृढ़ीकरण और बाउंड्रीवॉल निर्माण ने इन सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित और भव्य बनाया है। जनपद में पर्यटन की सबसे ऊँची छलांग वित्तीय वर्ष 2025-26 में देखने को मिली, जहाँ 3838.32 लाख की विशाल धनराशि से बजरंगबली हनुमान मंदिर खिरना खुर्द, नरसिंहधाम मंछना, वनखण्डेश्वर आश्रम घिरोर और सती माता मंदिर दौलतपुर सहित दर्जनों स्थलों का कायाकल्प किया गया। इन सभी परियोजनाओं में 'स्मार्ट टूरिज्म' के तत्वों को शामिल करते हुए सड़क मार्गों को दुरुस्त किया गया और आकर्षक लाइटिंग व स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया। संस्कृति विभाग के माध्यम से लगभग 24 करोड़ 61 लाख की लागत से प्रेक्षागृह एवं बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है, जो मैनपुरी की सांस्कृतिक गतिविधियों को एक नया आयाम देगा। इसके अतिरिक्त, पर्यटन विभाग द्वारा आवास विकास क्षेत्र में बहुउद्देशीय हॉल और 812.90 लाख की अन्य विकास योजनाओं को स्वीकृति दी गई है।

## जरा हटके

## गौतम बुद्ध एक ...

ललित गर्ग

# करुणा, शांति और आत्मजागरण के प्रकाशस्तंभ हैं गौतम बुद्ध

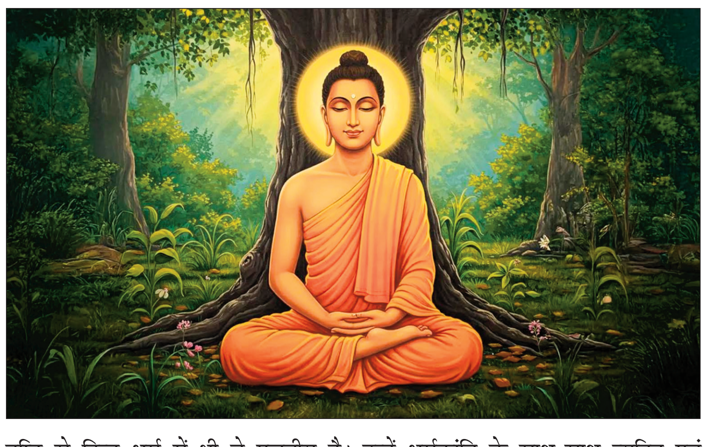

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिनका जीवन केवल एक युग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के पथ को आलोकित करता है। गौतम बुद्ध ऐसे ही एक अद्वितीय प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका करुणा, अहिंसा और आत्मजागरण का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। बुद्ध पूर्णिमा का पावन दिवस केवल एक ऐतिहासिक स्मृति नहीं, बल्कि आत्मबोध, समता और शांति के उस दिव्य संदेश का पुनर्स्मरण है, जिसकी आज के हिंसाग्रस्त और तनावपूर्ण विश्व को अत्यंत आवश्यकता है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन अद्वितीय है, क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञानप्राप्ति और महापरिनिर्वाण-तीनों घटनाएं घटित हुईं। नेपाल के लुम्बिनी में जन्मे सिद्धार्थ ने बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया और कुशीनगर में निर्वाण को प्राप्त हुए। इस दृष्टि से यह दिन केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि जीवन की पूर्णता, जागरण और मुक्ति का प्रतीक है। आज विश्व के विभिन्न देशों-श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, कोरिया और भारत में इसे विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। श्रीलंका में 'वेसाक' के रूप में दीपों और करुणा के उत्सव के रूप में यह दिन विशेष रूप से उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

गौतम बुद्ध एक प्रकाशस्तंभ है, जिसका प्रकाश केवल बाहरी दुनिया को ही नहीं, बल्कि भीतरी दुनिया को भी आलोकिक करता है। बुद्ध को सबसे महत्वपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक महामनीषी, देवपुरुष, सिद्ध-संन्यासी, समाज-सुधारक धर्मगुरु माना जाता हैं। बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार भी माना जाता है, इस दृष्टि से हिन्दू धर्म में भी वे पूजनीय है। उन्हें धर्मक्रांति के साथ-साथ व्यक्ति एवं विचारक्रांति के सूत्रधार भी कह सकते हैं। उनकी क्रांतिवाणी उनके क्रांत व्यक्तित्व की द्योतक ही नहीं वरन् धार्मिक, सामाजिक विकृतियों एवं अंधरूढ़ियों पर तीव्र कटाक्ष एवं परिवर्तन की प्रेरणा भी है, जिसने असंख्य मनुष्यों का जीवन-निर्माण किया एवं उनकी जीवन दिशा को बदला। बुद्ध ने जब अपने युग की जनता को धार्मिक-सामाजिक, आध्यात्मिक एवं अन्य यज्ञादि अनुष्ठानों को लेकर अज्ञान में घिरा देखा, साधारण जनता को धर्म के नाम पर अज्ञान में पाया, नारी को अपमानित होते देखा, शुद्रों के प्रति अत्याचार होते देखे-तो उनका मन जनता की सहानुभूति में उद्वेलित हो उठा। लोकजीवन को ऊंचा उठाने के लिये उन्होंने जो हिमालयी प्रयत्न किये, वे अद्भुत और आश्चर्यकारी है। बुद्ध के अनुसार जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।

गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था, वे एक राजकुमार थे, किन्तु जीवन के दुख-जरा, व्याधि और मृत्यु ने उनके अंतर्मन को विचलित कर दिया। 29 वर्ष की आयु में उन्होंने राजवैभव का त्याग कर सत्य की खोज का मार्ग अपनाया। कठोर तप और साधना के पश्चात उन्होंने पाया कि न तो भोग का मार्ग उचित है और न ही अत्यधिक तप का। उन्होंने "मध्यम मार्ग" का सिद्धांत दिया-संतुलन, सजगता और समत्व का मार्ग। गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपना प्रथम उपदेश दिया, जिसे "धर्मचक्र प्रवर्तन" कहा जाता है। उनके चार आर्य सत्य-दुःख, दुःख का कारण, दुःख का निरोध और दुःखनिरोधगामिनी प्रतिपदा-मानव जीवन के गहन विश्लेषण और समाधान प्रस्तुत करते हैं। आज का विश्व युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे समय में बुद्ध का करुणा एवं शांति का संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने स्पष्ट कहा- "द्वेष से द्वेष कभी समाप्त नहीं होता, प्रेम से ही द्वेष समाप्त होता है।" यह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक शांति का सूत्र है। यदि आज के राष्ट्र, समाज और व्यक्ति इस एक सिद्धांत को आत्मसात कर लें, तो अनेक संघर्षों का समाधान संभव हो सकता है। महात्मा बुद्ध के जीवन का एक प्रेरक प्रसंग उनकी करुणा और क्षमाशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। एक व्यक्ति जो उन्हें निरंतर अपशब्द कहता था, जब दुर्घटनाग्रस्त होकर पीड़ा में पड़ा, तब बुद्ध स्वयं उसके पास पहुंचे, उसके घावों की सेवा की और अपने भिक्षुओं को उसकी देखभाल का निर्देश दिया। बुद्ध के इस अप्रत्याशित प्रेम और करुणा से उसका हृदय परिवर्तन हो गया और उसने अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची महानता प्रतिशोध में नहीं, बल्कि क्षमा और करुणा में निहित है और यही भाव मानवता को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति है। बुद्ध ने केवल बाह्य हिंसा का विरोध नहीं किया, बल्कि मन की हिंसा-ईर्ष्या, क्रोध, लोभ और अहंकार को भी सबसे बड़ा शत्रु बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही सच्चा विजेता है। हजारों युद्ध जीतने वाला भी उस व्यक्ति के सामने छोटा है, जिसने अपने मन को जीत लिया। गौतम बुद्ध ने उस समय के समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने सभी मनुष्यों को समान बताया और कहा कि व्यक्ति की श्रेष्ठता जन्म से नहीं, कर्म से निर्धारित होती है। बुद्ध का संघ एक समतामूलक समाज का आदर्श उदाहरण था, जहाँ सभी वर्गों के लोग समान रूप से स्वीकार किए जाते थे। यही कारण है कि उनका आंदोलन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का भी आधार बना। बाद में भीमराव आम्बेडकर ने भी बुद्ध के इसी समतामूलक दृष्टिकोण को अपनाते हुए लाखों लोगों को सामाजिक सम्मान का मार्ग दिखाया। यह दर्शाता है कि बुद्ध का विचार केवल प्राचीन नहीं, बल्कि आधुनिक समाज के लिए भी उतना ही प्रासंगिक है। महान करुणामूर्ति बुद्ध का एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश है-"अप्प दीपो भव" अर्थात् अपना दीपक स्वयं बनो। यह संदेश व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने, अपने भीतर प्रकाश खोजने और बाहरी सहारों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। बुद्ध का चिंतन हमें भीतर झांकने, मन को निर्मल करने और करुणा, मैत्री, मुदिता एवं उपेक्षा जैसे भावों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है।

# आईपीएल में 'बिग बिजनेस' का खेल : मुरलीधरन

## फेयर मुकाबले नहीं, मनोरंजन जरूरी, अब गेंदबाजों को पिटाई के लिए तैयार रहना होगा

■ सलील ने 10 गेंद पर नाबाद 30 रन बनाए।

मुंबई, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद के चीफ कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा कि गेंदबाजों को मान लेना चाहिए कि उन्हें मार पड़ेगी। उनके अनुसार खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुक चुका है, इसलिए गेंदबाजों को इस स्थिति के साथ खुद को ढालना होगा। उन्होंने बुधवार को मुंबई में सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में IPL में बल्ले और गेंद के संतुलन पर पूछे गए सवाल पर कहा कि यह टूर्नामेंट दर्शकों के मनोरंजन और स्पॉन्सरशिप के बिजनेस पर टिका है। उन्होंने कहा,'अगर हम बॉलिंग फ्रेंडली विकेट देंगे, तो दर्शक इसे बोरिंग कहेंगे। लोग चौके-छक्के देखना चाहते हैं, इसीलिए 'इम्पैक्ट प्लेयर' जैसे नियम लाए गए हैं। अगर खेल से मनोरंजन खत्म हुआ तो स्पॉन्सर्स और लोगों की दिलचस्पी कम हो जाएगी। फिलहाल बल्लेबाजों का पलड़ा भारी रहेगा, गेंदबाजों को खुद को अपडेट करने में समय लगेगा।' हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में 244 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया। अगर आप स्पिन नहीं कराएंगे, तो बल्लेबाज को चकमा नहीं दे पाएंगे। अभी हालात ऐसे हैं कि नेट प्रैक्टिस में स्पिनर्स भी थ्रो-डाउन बॉलर की तरह दिखते हैं, जिन पर बैटर आसानी से लंबे शॉट लगाते हैं।' जब मुरलीधरन से पूछा गया कि क्या वो और शेन वॉर्न आज की पिचों पर सफल होते, तो उन्होंने कहा,' हम गेंद टर्न तो कराते, लेकिन शायद बड़ा फर्क पैदा नहीं कर पाते। विकेट इतने अच्छे हैं।

### स्पिनर्स के लिए चिंता: टर्न के बजाय तेज फेंकने पर जोर

मुरलीधरन ने जमीनी स्तर पर स्पिन बॉलिंग सिखाने के तरीके पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'आजकल के स्पिनर्स गेंद को टर्न कराने के बजाय सिर्फ तेज फेंकने की कोशिश करते हैं। बच्चों को 10-12 साल की उम्र से ही गेंद को स्पिन कराना सिखाना चाहिए।

66 इस सीजन में ऐसे बड़े रन चेज पहले भी हुए हैं। पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में 265 रन का लक्ष्य हासिल किया था। वहीं हैदराबाद ने जयपुर में 229 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा किया था।

### पावरप्ले का गणित बदला: पहले 50 रन बनते थे, अब 80 बन रहे

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुरलीधरन ने खेल के बदलते स्वरूप पर बात की। उन्होंने कहा,'आजकल एक गेंदबाज के लिए परफॉर्म करना बहुत मुश्किल है। जब हम खेलते थे, तब पावरप्ले के 6 ओवरों में 40 से 50 रन को अच्छा स्कोर माना जाता था, लेकिन अब यह औसत 70 से 80 रन तक पहुंच गया है। अब हर टीम के पास ऐसे ओपनर्स हैं जो सिर्फ अटैक करना जानते हैं। उन्हें इस बात की परवाह नहीं होती कि गेंद अंदर आ रही है या बाहर।'

### 23 साल के सलिल ने बुमराह को जड़ा 'नो-लुक सिक्स'

*युवा बल्लेबाजों के निडर रवैये का उदाहरण देते हुए मुरलीधरन ने अनकैप्ड खिलाड़ी सलिल अरोड़ा का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसा दिग्गज गेंदबाज भी अब छक्के खा रहा है। जब 23 साल का नया लड़का सलिल, बुमराह को 'नो-लुक सिक्स' मारता है, तो यह अविश्वसनीय है। पहले युवा सोचते थे कि बुमराह के सामने टिकना कैसे है, अब वे सोचते हैं कि उन्हें छक्का कैसे मारना है। मॉडर्न गेम के साथ कॉन्फिडेंस लेवल बहुत बढ़ गया है।'*

# चैंपियंसलीग सेमीफाइनल के पहले लेग में एटलेटिको-आर्सनल का मैच ड्रा

## पेनल्टी से किए गोल, लंदन में होने वाले दूसरे लेग से फाइनलिस्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

UEFA चैंपियंस लीग (UCL) के पहले सेमीफाइनल में बुधवार रात एटलेटिको मैड्रिड और आर्सनल का मैच 1-1 से बराबर रहा। मेट्रोपॉलिटानो स्टेडियम में खेले गए मैच में दोनों गोल पेनल्टी से आए। विक्टर ग्योकेरेस ने आर्सनल को बढ़त दिलाई। जूलियन अल्वारेज ने एटलेटिको के लिए बराबरी की। अब दोनों टीमों की नजरें अगले मंगलवार लंदन में होने वाले दूसरे लेग पर हैं। जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। दोनों गोल पेनल्टी से हुए, आर्सनल का दूसरा पेनल्टी कॉल VAR ने पलटा मैच के 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस को बॉक्स में गिराया गया और आर्सनल को पेनल्टी मिली। ग्योकेरेस ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया। 56वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे के शॉट पर बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद VAR (वीडियो असिस्टेंट रेफरी)रिव्यू से एटलेटिको को पेनल्टी मिली। जूलियन अल्वारेज ने गोल कर बराबरी की। 78वें मिनट में आर्सनल को एक और पेनल्टी

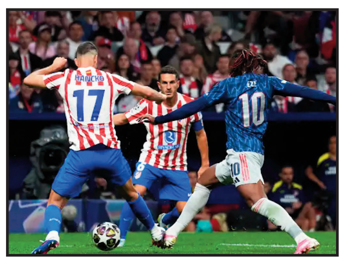

मिली थी, लेकिन VAR रिव्यू के बाद फैसला बदल दिया गया। आर्सनल के कोच मिकेल अर्टेटा ने कहा कि इस मैदान पर खेलना आसान नहीं है और कई बड़ी टीमें यहां संघर्ष कर चुकी हैं। उन्होंने कहा,'हमें कई मौकों पर दबाव झेलना पड़ा, लेकिन हम एक शानदार स्थिति में हैं। चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में होना गर्व की बात है। अब दूसरा लेग हमारे फैंस के सामने (लंदन में) होगा और मैच हमारे हाथ में है।' इसी सीजन के लीग फेज में आर्सनल ने एटलेटिको को अपने घर में 4-0 से हराया था। एटलेटिको के पास मैच जीतने के कई मौके थे। 63वें मिनट में एंटोनी ग्रीज़मैन का शॉट पोल से टकराया।

## फास्ट न्यूज

### वायरल वीडियो के बाद राहुल रॉय की इमोशनल पोस्ट

नई दिल्ली। फिल्म 'आशिकी' फेम राहुल रॉय ने हाल ही में एक कंटेंट क्रिएटर के साथ वायरल हुए वीडियो पर रिएक्ट करते हुए एक इमोशनल पोस्ट लिखी। एक्टर ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मैं अपना काम ईमानदारी और विनम्रता के साथ करता हूं। मुझे कुछ लीगल मामलों के लिए पेमेंट करना है और ये आज के नहीं हैं, ये उस समय के हैं जब ब्रेन स्ट्रोक हुआ था, उससे पहले के।

### लंदन में दो यहूदियों पर चाकू से हमला

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में दो यहूदी लोगों पर चाकू से हमला हुआ है। हमले में घायल दोनों लोगों को मौके पर प्राथमिक इलाज देने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक दोनों की हालत स्थिर है। हमला नॉर्थ लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुआ, जहां बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं। पुलिस ने घटना के कुछ समय बाद 45 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कहा है कि काउंटर टेरर यूनिट मामले की जांच कर रही है और आतंकी लिंक की भी पड़ताल हो रही है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पुलिसकर्मियों पर भी चाकू से हमला करने की कोशिश की। इसके बाद उसे टेजर मारकर काबू किया गया। BBC ने स्थानीय लोगों को हवाले स बताया कि पहला हमला गोल्डर्स ग्रीन रोड पर दुकानों के बाहर हुआ, जबकि दूसरा पास की साइड रोड पर सिनेगॉग (यहूदी धार्मिक स्थल) के बाहर हुआ।

### पेट्रोल 14 नुकसान में बेच रहीं तेल कंपनियां

नई दिल्ली। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद रिटेल रेट न बढ़ने से कंपनियों को हर एक लीटर पेट्रोल और डीजल पर घाटा हो रहा है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के मुताबिक, तेल कंपनियां पेट्रोल पर 14 और डीजल पर ₹18 प्रति लीटर का नुकसान झेल रही हैं। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण सप्लाई चैन प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़े हैं।

# बीच सड़क पर नीतू कपूर और रणबीर ने किया डांस

## साथ में पोज भी दिए, मां ने बेटे को गले लगाकर किया किस

मुंबई, एजेंसी

एक्ट्रेस नीतू कपूर और उनके बेटे रणबीर कपूर बुधवार को पैपराजी के सामने साथ डांस स्टेप्स करते नजर आए। यह वीडियो तब का है जब मुंबई में दोनों एक साथ स्पॉट हुए और पैपराजी को पोज दिए और डांस स्टेप्स भी करते दिखे। नीतू ने बेटे को गले लगाया और उनके गाल पर प्यार से किस किया। इस दौरान रणबीर कपूर ब्लू डेनिम जींस और लेमन कलर की शर्ट में दिखे, जबकि नीतू कपूर डेनिम जींस, व्हाइट-ब्लू शर्ट और ब्लेजर में नजर आईं। दोनों के इस अंदाज पर यूजर्स ने प्रतिक्रिया देते हुए उनकी जोड़ी और बॉन्डिंग की तारीफ की है। गौरतलब, नीतू कपूर (नीतू सिंह) 70 और 80 के दशक की चर्चित अभिनेत्री रही हैं और उन्होंने 'अमर अकबर एंथोनी', 'दीवार' और 'धर्मवीर' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया है। 67 की उम्र में भी वे फिल्मों में एक्टिव हैं। जल्द ही वो फिल्म 'दादी की शादी' में नजर आएंगी, जो 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह कपिल शर्मा के साथ मुख्य भूमिका में हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म से नीतू सिंह की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी भी अपना एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं।

■ रणबीर ने अपनी मां नीतू और बहन रिद्धिमा की अपकमिंग फिल्म 'दादी की शादी' के गाने 'सेंटी' के हुक स्टेप पर डांस किया।

# कपिल के शो में वर्ल्ड लाफ्टर डे पर मिलेगा फैंस को सरप्राइज

## समय रैना के अलावा नजर आएगा एक चर्चित यूट्यूबर

मुंबई, एजेंसी

वर्ल्ड लाफ्टर डे के खास मौके पर लोकप्रिय कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो एक स्पेशल एपिसोड के साथ दर्शकों को गुदगुदाने के लिए तैयार है। इस एपिसोड में कॉमेडी, सटायर और सरप्राइज का ऐसा तड़का देखने को मिलेगा, जो फैंस के लिए यादगार बनने वाला है। शो के होस्ट कपिल शर्मा इस एपिसोड में अपनी खास कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाने का पूरा इंतजाम करेंगे। उन्होंने इस एपिसोड को लेकर कहा कि दर्शकों का प्यार ही उन्हें हर बार कुछ नया और मनोरंजक करने के लिए प्रेरित करता है। एपिसोड में Sunil Grover, Krushna Abhishek और Kiku Sharda मिलकर एक खास "न्यूज डिबेट" एक्ट पेश करेंगे। यह एक्ट समकालीन मुद्दों पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसते हुए दर्शकों को हंसाने का काम करेगा।यह स्पेशल एपिसोड 2 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म Netflix पर स्ट्रीम किया जाएगा। वर्ल्ड लाफ्टर डे के मौके पर यह एपिसोड दर्शकों के लिए कॉमेडी का परफेक्ट पैकेज साबित हो सकता है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के एक स्पेशल एपिसोड के साथ वर्ल्ड लाफ्टर डे मनाया जाएगा। इसके होस्ट कपिल शर्मा अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाएंगे। साथ ही स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना और यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया भी इसमें शामिल होंगे।

### समाय रैना के साथ खास मेहमान की एंट्री

इस खास एपिसोड में स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना अपनी बेबाक और मजेदार कॉमेडी के साथ नजर आएंगे। उनके साथ चर्चित यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया भी शो का हिस्सा बनेंगे, जिनकी एंट्री को लेकर पहले से ही सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। रणवीर हाल ही में कुछ विवादों के चलते सुर्खियों में रहे थे, ऐसे में उनका इस शो में आना फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है।

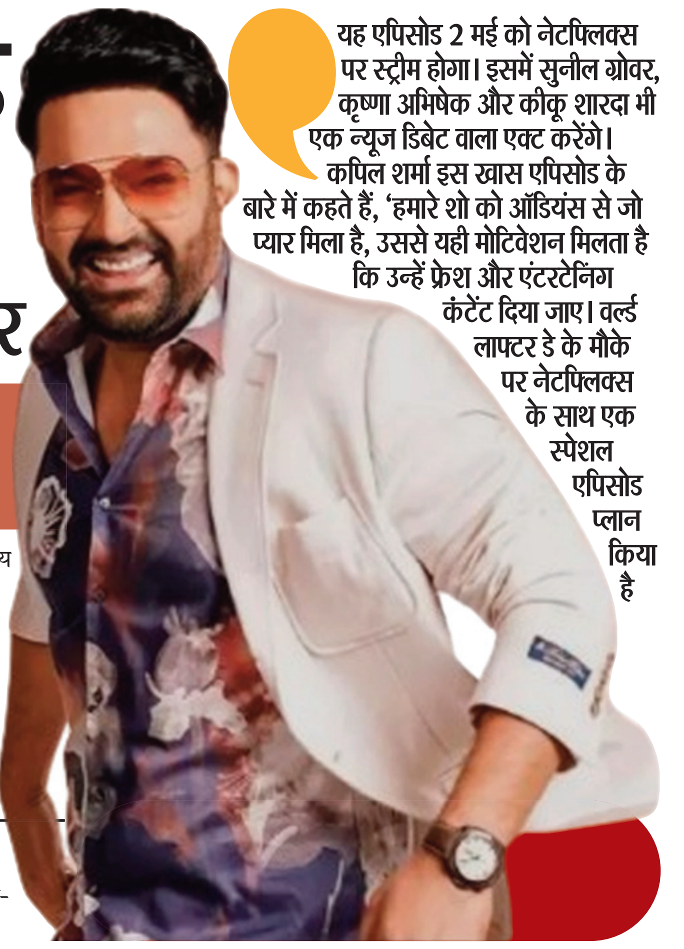

यह एपिसोड 2 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इसमें सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा भी एक न्यूज डिबेट वाला एक्ट करेंगे। कपिल शर्मा इस खास एपिसोड के बारे में कहते हैं, 'हमारे शो को ऑडियंस से जो प्यार मिला है, उससे यही मोटिवेशन मिलता है कि उन्हें फ्रेश और एंटरटेनिंग कंटेंट दिया जाए। वर्ल्ड लाफ्टर डे के मौके पर नेटफ्लिक्स के साथ एक स्पेशल एपिसोड प्लान किया है

# ब्रिटिश किंग से मिले न्यूयॉर्क मेयर ममदानी

## मुलाकात से पहले कहा था- कोहिनूर भारत को लौटाने बोलूंगा, यह हीरा 177 साल से ब्रिटेन के पास

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ब्रिटिश किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने बुधवार को न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से मुलाकात की। यह शाही जोड़ा 9/11 मेमोरियल पहुंचा था जहां उन्होंने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। खास बात यह है कि इस मुलाकात से कुछ घंटे पहले ममदानी ने कहा था कि अगर उन्हें किंग चार्ल्स से अलग से बात करने का मौका मिला, तो वे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की बात उठाएंगे। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि इस छोटी बातचीत के दौरान ममदानी ने यह मुद्दा उठाया या नहीं। उनके ऑफिस से भी इस पर तुरंत कोई जवाब नहीं मिला। कोहिनूर वही हीरा है जो ब्रिटेन के शाही ताज में जड़ा है और टावर ऑफ लंदन में रखा गया है। यह 177 साल से ब्रिटेन के पास है। भारत ने ब्रिटेन के सामने कई बार कोहिनूर हीरे पर अपना कानूनी हक होने का दावा किया है। साल 1849 में जब अंग्रेजों ने पंजाब पर कब्जा किया तो इस हीरे को ब्रिटेन की तब की महारानी विक्टोरिया को सौंप दिया गया। बाद में इसे और कई हीरों के साथ ब्रिटेन के शाही ताज में लगा दिया गया। महारानी एलिजाबेथ की मौत के बाद से कई बार कोहिनूर को वापस भारत लाने की मांग उठ चुकी है। कोहिनूर जड़े ताज को सबसे पहले ब्रिटेन की क्वीन मदर ने पहना था। इसके बाद ये ताज क्वीन एलिजाबेथ को मिला था। इस ताज में कोहिनूर के अलावा अफ्रीका का बेशकीमती हीरा ग्रेट स्टार ऑफ अफ्रीका सहित कई कीमती पत्थर जड़े हैं। इसकी कीमत करीब 40 करोड़ डॉलर आंकी गई है।

### विवादों से भरा है कोहिनूर का इतिहास

कोहिनूर हीरे का इतिहास विवादों से भरा रहा है। कहा जाता है कि साल 1526 में हुमायूं ने आगरा किला पर हमला किया था। इसे जीतने पर बड़े पैमाने में खजाने के साथ-साथ विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी मिला था। बाबरनामा के मुताबिक, कोहिनूर हीरा इतना कीमती था कि इससे पूरी दुनिया को ढाई दिन का भोजन करवाया जा सकता था। 1739 में ईरानी शासक नादिर शाह ने आक्रमण किया। उसने आगरा और दिल्ली में लूटपाट की। वह कोहिनूर और मयूर सिंहासन को भी साथ ले गया। नादिर शाह की हत्या के बाद 1747 में यह हीरा अफगानिस्तान के अहमद शाह के पास पहुंचा। इसके बाद कोहिनूर हीरा शाह शुजा के हाथों से होते हुए महाराजा रणजीत सिंह तक पहुंचा। औरंगजेब के शासन के दौरान उसने यह हीरा शाहजहां की देख-रेख में रखा था। शाहजहां आगरा किले में कैद होकर इसी हीरे से ताजमहल को देखते थे।

### 1849 से ब्रिटेन के पास कोहिनूर हीरा

कोहिनूर हीरा 1849 से ब्रिटेन के पास है। द्वितीय एंग्लो-सिख युद्ध में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से सिख साम्राज्य के हारने के बाद अंग्रेजों ने पूरे पंजाब पर कब्जा कर लिया। उस समय सिख साम्राज्य के शासक दलीप सिंह थे, जिनकी उम्र सिर्फ 10 साल थी। युद्ध हारने के बाद अंग्रेजों ने उनसे लाहौर की संधि पर हस्ताक्षर करवाए। इस संधि की शर्तें बहुत सख्त थीं। इसके तहत पंजाब को ब्रिटिश शासन के अधीन कर दिया गया और साथ ही कोहिनूर हीरा भी अंग्रेजों को सौंपना पड़ा।

# अमेरिका-इजराइल पर बादल चुराने का आरोप

## इराकी सांसद बोले- इससे मिडिल ईस्ट में सूखा पड़ता है

वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान युद्ध के बीच इराकी सांसद अब्दुल्ला अल-खैखानी ने अमेरिका और इजराइल पर मिडिल ईस्ट में बादल चुराने का आरोप लगाया है। अब्दुल्ला अल-खैखानी ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका और इजराइल कई सालों से विमानों की मदद से मिडिल ईस्ट में बादलों को चुराते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण क्षेत्र में लंबे समय से सूखा पड़ रहा था। सांसद ने दावा किया कि अब अमेरिका और इजराइल ईरान के साथ युद्ध में मसरूफ हैं, इसलिए बारिश फिर से लौट आई है। बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इस दावे को लेकर चर्चाएं और अफवाहें तेज हो गईं। मौसम विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसी कोई तकनीक मौजूद नहीं है, जिससे बादलों की चोरी की जा सके। इराक मौसम विभाग के प्रवक्ता अम्र अल-जबीरी ने इस दावे को न वैज्ञानिक बताया और न ही तार्किक। उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में ही अनुमान लगा लिया गया था कि 2026 इराक के लिए बारिश वाला साल रहेगा। विशेषज्ञों ने मौसम से जुड़े झूठे दावों और साजिश की थ्योरी से बचने की अपील की है। अल-खैखानी ने दावा किया है कि मिडिल ईस्ट में मौसम बदलने वाले हथियार का इस्तेमाल कर सूखा पैदा किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि वायुमंडल में बदलाव कर जानबूझकर बारिश रोकी गई।

**बढ़त : इस साल ₹16 हजार महंगा हो चुका, चांदी ₹582 बढ़कर ₹2.37 लाख पर पहुंची**

# सोना ₹679 बढ़कर ₹1.49 लाख पर पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 30 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 679 रुपए बढ़कर 1,48,652 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1,47,973 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं एक किलो चांदी 582 रुपए बढ़कर 2,36,882 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 30 अप्रैल को इसकी कीमत 2,36,300 लाख रुपए प्रति किलो थी। आईबीजेए के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 679 रुपए की तेजी के साथ 1,48,652 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,47,973 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। लगातार बढ़ती कीमतें निवेशकों और खरीदारों दोनों का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। वहीं चांदी के दामों में भी उछाल जारी है। एक किलो चांदी 582 रुपए महंगी होकर 2,36,882 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 2,36,300 रुपए प्रति किलो थी।

### सोना इस साल 16 हजार और चांदी 7 हजार रुपए महंगी

2026 में सोना अब तक 16 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 7 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.37 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

### ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

### असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

**मैग्नेट टेस्ट:** असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

**आइस टेस्ट:** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।

**स्मेल टेस्ट:** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।

**क्लॉथ टेस्ट:** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

# रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आया

नई दिल्ली। भारतीय रुपया आज यानी 30 अप्रैल को डॉलर के मुकाबले 95.20 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। मिडिल ईस्ट युद्ध और एनर्जी सप्लाई रुकावटों से यह गिरावट आई। विदेशी ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन के मुताबिक, ईरान युद्ध जारी रहा तो रुपया 98 तक जा सकता है। विदेशी निवेशकों (FPI) की लगातार बिकवाली और वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापारिक तनाव की वजह से रुपए में यह गिरावट देखी जा रही है। साल 2026 की शुरुआत से ही रुपया दबाव में है। पिछले साल दिसंबर 2025 में पहली बार रुपया 90 के स्तर के पार गया था। मिडिल ईस्ट संघर्ष को दशकों का सबसे गंभीर एनर्जी संकट माना जा रहा है, जिसका सीधा असर भारत पर पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले किसी करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना या कमजोरी (करेंसी डेप्रिसिएशन) कहते हैं। हर देश के पास फॉरेन करेंसी रिजर्व होता है, जिससे इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन होते हैं। इसके घटने-बढ़ने का असर करेंसी पर पड़ता है। अगर भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर पर्याप्त होंगे तो रुपया स्थिर रहेगा। डॉलर घटे तो रुपया कमजोर, बढ़े तो मजबूत होगा।

# अडाणी पावर का चौथी तिमाही में मुनाफा 64% बढ़ा

## यह 4,271 करोड़ रहा, इनकम भी 10% बढ़ी, नतीजों के बाद शेयर 2.5% गिरा

मुंबई, एजेंसी

अडाणी पावर ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं, जिसमें कंपनी का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 64% बढ़कर 4,271 करोड़ पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 2,599 करोड़ का मुनाफा हुआ था। हालांकि, मुनाफे में इस बड़ी बढ़त के बावजूद बुधवार को कंपनी का शेयर करीब 2.48% गिरकर 217.80 पर बंद हुआ। कंपनी की टोटल इनकम सालाना आधार पर 10% बढ़कर 15,989 करोड़ हो गई है। अगर इसमें से पिछले पीरियड्स के एडजस्टमेंट हटा दें, तो यह 3.7% की बढ़त के साथ 15,059 करोड़ रही। मुनाफे में आए इस तेज उछाल की मुख्य वजह टैक्स खर्च में आई भारी कमी है। इस तिमाही में कंपनी का टैक्स भुगतान पिछले साल के मुकाबले 83% कम रहा है। मार्केट में डिमांड के उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनी का ऑपरेटिंग प्रदर्शन मजबूत रहा है। कंपनी का रिपोर्टेड EBITDA (ब्याज, टैक्स, डेप्रिसिएशन और एमोर्टाइजेशन से पहले की कमाई) 27% बढ़कर 6,498 करोड़ रहा। वहीं कंटीन्यूइंग EBITDA में भी 9.3% की ग्रोथ देखी गई है, जो 5,573 करोड़ रही। यह दर्शाता है कि कंपनी की अंडरलाइंग अर्निंग में स्थिरता बनी हुई है। अडाणी पावर ने अपनी कमाई को स्थिर रखने के लिए लॉन्ग टर्म पावर परचेज एग्रीमेंट (PPA) पर फोकस बढ़ाया है। इस तिमाही में कंपनी ने महाराष्ट्र के साथ 1,600 MW और तमिलनाडु के साथ 558 MW के नए PPA साइन किए हैं। इसके साथ ही कंपनी की कुल ऑपरेटिंग कैपेसिटी का करीब 95% हिस्सा लॉन्ग और मीडियम टर्म एग्रीमेंट के तहत सुरक्षित हो गया है। कुल पावर सेल्स वॉल्यूम भी पिछले साल के 26.4 बिलियन यूनिट से बढ़कर 27.2 बिलियन यूनिट रहा।

# केशव प्रसाद मौर्य का विपक्ष पर तीखा हमला

## बोले- 'आधी आबादी के अधिकारों में रोड़ा, जनता चुनाव में देगी जवाब'

**तमसा संकेत, संवाददाता**

लखनऊ। दिनांक 30 अप्रैल 2026। उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री Keshav Prasad Maurya ने महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने समाजवादी पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम पर महिलाओं के अधिकारों को बाधित करने का आरोप लगाया। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन देश की हर महिला को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने 'मिशन शक्ति', स्वयं सहायता समूह और अन्य योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा

बदलाव लाया है। साथ ही, पंचायत और स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों को भी उन्होंने सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उप-मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2013 से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को बचाने और उन्हें आगे बढ़ाने की पहल शुरू की थी। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% हिस्सेदारी देने के प्रस्ताव का समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी ने कड़ा विरोध किया है।अंत में, उन्होंने दोहराया कि भाजपा का एकमात्र लक्ष्य राजनीति में महिलाओं की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करना है, जो विधानसभा और लोकसभा में उनकी उपस्थिति के बिना अधूरी है।

### 'महिलाओं के सशक्तिकरण में विपक्ष बना बाधा'

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि Narendra Modi के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठा रही है, लेकिन विपक्ष ने लोकसभा और विधानसभा में महिला आरक्षण लागू करने के प्रयासों में बाधा डाली।

### 'महिला आरक्षण का विरोध, बड़ा षड्यंत्र'

मौर्य ने आरोप लगाया कि इन चारों दलों ने मिलकर महिला आरक्षण बिल का विरोध कर एक "बड़ा षड्यंत्र" रचा है।

### एग्जिट पोल पर जताया भरोसा

**पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के एग्जिट पोल पर टिप्पणी करते हुए मौर्य ने विश्वास जताया कि:**

- पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने जा रही है
- असम में भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आएगी
- तमिलनाडु और पुडुचेरी में एनडीए सरकार बनेगी
- केरल में भाजपा का प्रदर्शन ऐतिहासिक रहेगा

### शिल्पी कुशवाहा हत्याकांड पर सख्त रुख

हरदोई में हुए शिल्पी कुशवाहा हत्याकांड पर प्रतिक्रिया देते हुए मौर्य ने कहा कि राज्य में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने बताया कि मामले में आधे से अधिक आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। साथ ही, उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह हमेशा अपराधियों के संरक्षण की राजनीति करती रही है, जबकि भाजपा सरकार में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

# मल्हिया पासी स्मृति गेट दोबारा लगा

लखनऊ। लखनऊ के मलिहाबाद में एक हफ्ते से चल रहे 'महाराजा मल्हिया पासी स्मृति द्वार' विवाद के बीच गेट लगा दिया गया। गुरुवार सुबह प्रशासन ने गेट को दोबारा उसी जगह पर लगवा दिया। 22-23 अप्रैल की रात इसे प्रशासन ने रातों-रात हटाया दिया था। इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी के नेता धरने पर बैठे हुए थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और विधायक जय देवी के नेतृत्व में सैकड़ों लोग 7 दिनों से 'प्रवास अनशन' पर बैठे थे। अब गेट लगने के बाद प्रवास धरना खत्म हो गया है। लेकिन, इलाके में पुलिस-प्रशासन अलर्ट है।

पूर्व मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि गेट को पुनः लगाए जाने से पासी समाज का खोया हुआ सम्मान वापस लौटा है और उनके साथ हुआ अपमान दूर हुआ है। उन्होंने इस मुद्दे में शामिल सभी संगठनों का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि ब्राह्मण समाज, क्षत्रिय समाज, वैश्य समाज, मुस्लिम समाज समेत अन्य समाजों के लोगों ने भी इसमें आकर पूरा समर्थन दिया। लखन आर्मी संगठन के सूरज पासी ने कहा कि दोबारा बोर्ड लगाए जाने से बेहद खुशी है।

# होटल के दर्जनों एसी से जला खंभा

**तमसा संकेत, संवाददाता**

लखनऊ। न्यू डिफेंस कॉलोनी रायबरेली रोड के दर्जनों नागरिकों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री को भेजे गए अलग-अलग पत्रों में कॉलोनी में बने होटल में अनाधिकृत रूप से चल रहे दर्जनों AC को अलग ट्रांसफार्मर से बिजली दिए जाने की मांग की है। पत्र में नागरिकों ने पूर्ण विवरण के साथ लिखा है कि उक्त होटल के संचालकों ने जिस बिजली के खंभे से कनेक्शन ले रखा है उसी से पुरी कॉलोनी की बिजली सप्लाई होती है । जो पतले पतले टू फेस के जरिए चलती है। जबकि 15 AC वाले होटल का कनेक्शन अलग से छोटे ट्रांसफार्मर के जरिए होना चाहिए लेकिन होटल प्रबंधन ने बिजली विभाग से साठ गांठ करके ऐसा किया है। नागरिकों का कहना है कि होटल की अवैध गतिविधियों की जानकारी

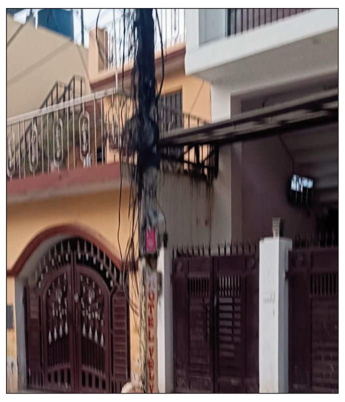

कई बार पुलिस को दी गई लेकिन पुलिस भी सारे मामले ले देकर रफा-दफा कर देती है। जानते-चले कि पिछले हफ्ते इसी खंबे में आग लग गई थी और दो दिनों तक बिजली नहीं आई थी। वैसे बिजली तो आ गई है लेकिन अधिकांश तार और स्ट्रीट लाइट आज भी जले पड़े हैं जबकि होटल वाले पुनः AC चलाने लगे हैं।

## फास्ट न्यूज

### रोड एक्सीडेंट में बुजुर्ग की मौत

कानपुर। कानपुर में बुधवार रात वीआईपी रोड पर सड़क पार कर रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। मोहल्लेवासियों की सूचना पर परिजन उन्हें तुरंत हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे, खलासी लाइन के जालिम सिंह का अखाड़ा निवासी 80 वर्षीय सरजू प्रसाद हजारिया एल्गिन मिल में काम कर चुके थे।

### सेंट्रल मार्केट के सेक्टर-2 में महिलाओं का विरोध

मेरठ। मेरठ के शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट के सेक्टर-2 में गुरुवार से नोटिस चस्पा करने की कार्रवाई शुरू की गई। आवास विकास की टीम नोटिस चस्पा करने पहुंची तो स्थानीय महिलाओं ने टीम का फिर से विरोध किया और नोटिस नहीं लगने दिया। हंगामे को देख मौके पर सीओ सिविल लाइन सुचिता सिंह और नौचंदी थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। लोगों को समझने का प्रयास किया। वहीं महिलाओं का कहना है कि किसी भी कीमत पर वह अपने प्रतिष्ठानों पर नोटिस नहीं लगने देंगी। लोगों ने लगाए गए नोटिस को फाड़ दिया है। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन के नाम पर उनको धोखा दिया है। महिलाओं की मुख्य रूप से यही मांग है कि उनके मकान 35 से 40 मीटर में बने हुए हैं। ऐसे में यदि वह 1 मीटर सेटबैक छोड़ देंगी तो उन पर रहने का संकट आ जाएगा।

### डिजिटल अरेस्ट कर शिक्षिका से ठगे 32 लाख

आगरा। आगरा में एक शिक्षिका साइबर ठगी का शिकार हो गई। साइबर ठग ने महिला को 9 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर के रखा। बोला-मैं प्रवर्तन निदेशालय से बोल रहा हूं। तुम्हारा नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है। तुम्हें गिरफ्तार किया जाएगा। जिंदगी भर जेल में सड़ोगी। यह धमकी साइबर अपराधियों ने दयालबाग निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका को दी। उन्हें 9 दिन तक 4 से 5 घंटे के लिए डिजिटल अरेस्ट कर जेल भेजने का डर दिखाया।

# सीआईएससीई बोर्ड की 12वीं का रिजल्ट जारी

## ओजस्वित ने 100% के साथ किया टॉप, दूसरे स्थान पर रहीं क्रिस्टी

**तमसा संकेत, एजेंसी**

कानपुर। सीआईएससीई की ओर से ISC 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। रिजल्ट आते ही शहर के स्कूलों में जश्न का माहौल बन गया। टॉपर छात्र-छात्राएं अपने-अपने स्कूल पहुंचने लगे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। ISC 12वीं के परिणाम में शीलिंग हाउस स्कूल के छात्र ओजस्वित पसरिचा ने 100 प्रतिशत अंक हासिल कर शहर व देश में टॉप किया है। शहर में पहली बार किसी छात्र ने 100 प्रतिशत अंक पाए हैं। इससे पहले वे जेईई मेंस में 99.8 परसेंटाइल भी ला चुके हैं। बातचीत में ओजस्वित ने बताया कि उन्होंने यह सफलता सेल्फ स्टडी के दम पर हासिल की है। उनका कहना है कि स्कूल की पढ़ाई और नियमित तैयारी से ही यह संभव हो पाया। ओजस्वित आगे

Indian Institute of Science (IISc) बेंगलुरु से बीएससी करने के बाद रिसर्च फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं। उनकी मां स्मिता पसरिचा इसी स्कूल में हिंदी शिक्षिका हैं, जबकि पिता रजनीश पसरिचा मेडिकल व्यवसाय से जुड़े हैं।

# मिट्टी में दबने से मजदूर की मौत, पुलिस और फायर ब्रिगेड ने बाहर निकाला

# निर्माणाधीन अस्पताल की दीवार धंसी

- मिट्टी में दबे मजदूरों को बाहर निकालकर उन्हें पास में ही लोहिया संस्थान ले जाया गया।
- फावड़े से खोदकर मलबा हटाया गया, जिससे दबे लोगों को निकाला जा सके।

**तमसा संकेत, एजेंसी**

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में एनटीपीसी बिल्डिंग और साइबर हाइट्स के पास निर्माणाधीन अस्पताल की दीवार गिर गई। गुरुवार सुबह नींव के बगल में खुदाई के दौरान दीवार के पीछे से मिट्टी खिसक गई। इसमें 2 मजदूर दब गए। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रगेड मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया तो एक मजदूर अचेत अवस्था में मिट्टी से निकाला गया। डॉक्टरों ने उसे मृत

लक्ष्मीशंकर, मृतक

घोषित कर दिया। विभूतिखंड थाने के इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान बाराबंकी रामनगर के लक्ष्मी शंकर अवस्थी (35) के रूप में हुई। दूसरे साथी तुलसीराम को कम चोट थी। उसे पुलिस ने लोहिया संस्थान में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। घटना करीब 10 बजे हुई। करीब आधे घंटे तक हम 10 लोग हाथों से मिट्टी निकालते रहे। करीब 40 मिनट बाद पुलिस यहां आई। वे दोनों हमारे पास के गांव के थे। उसी समय मिट्टी खिसक गई। दोनों उसी में दब गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। करीब 40 मिनट के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद एक मजदूर को अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया। घटना के समय मौजूद अन्य मजदूरों ने बताया कि मिट्टी खिसकने के बाद वे करीब आधे घंटे तक हाथों से ही मलबा हटाते रहे। उनके अनुसार, दोनों मजदूर पास के ही गांव के रहने वाले थे और अचानक हुए इस हादसे में दब गए।

### हॉस्पिटल बनवाया जा रहा, नक्शा पास

एलडीए के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने मौके पर निरीक्षण किया। उनका कहना है कि D63 का नक्शा पास है। आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है। जिस जमीन पर हादसा हुआ है, उस पर हॉस्पिटल बन रहा है। इसका मानचित्र प्राधिकरण से पास है।

### प्रशासन की तरफ से 4 लाख की आर्थिक सहायता

एसीएम सचिन वर्मा ने बताया कि आपदा राहत कोष के जरिये मृतक लक्ष्मीशंकर के परिजन को 4 लाख रुपए की सहायता तत्काल दिलाई जा रही है। मामले में लेखपाल से रिपोर्ट ली जाएगी। मौके पर मौजूद एक बुजुर्ग ने बताया कि दो आदमी नींव की सफाई कर रहे थे।

दीवार का मलबा बहुत है। इसे हटाने में फायर ब्रिगेड के अलावा साथी मजदूर भी लग गए।

मनीष ने बताया- यहां पर 4 लेबर काम कर रहे थे। मिट्टी खिसकने लगी तो उनमें से 2 लेबर बाहर निकल पाए। 2 लोग बाहर निकल ही रहे थे कि मिट्टी भरभराकर गिर गई। हम लोगों ने हाथों से मिट्टी हटा-हटाकर दोनों को बाहर निकाल लिया। एक को कम चोट थी और दूसरे की सांसें चल रही थीं।

# शिल्पी कुशवाहा हत्याकांड : अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

## बोले- 'दोषियों को मिले कड़ी सजा, सीबीआई जांच हो'

**तमसा संकेत, संवाददाता**

हरदोई। Akhilesh Yadav ने गुरुवार को हरदोई जिले की बिलग्राम विधानसभा के गढ़ी रसूलपुर गांव पहुंचकर शिल्पी कुशवाहा हत्याकांड में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत बेटी को श्रद्धांजलि अर्पित की और समाजवादी पार्टी की ओर से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह बेहद दर्दनाक घटना है, जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि परिवार का यह दुख कभी कम नहीं हो सकता और समाज को ऐसी घटनाओं से बचाने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। सपा प्रमुख ने कहा कि पार्टी पीड़ित परिवार को हर संभव कानूनी मदद देगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर

परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। फिलहाल पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से 5 लाख रुपये की सहायता दी गई है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि घटना की जानकारी पहले ही पुलिस को दी गई थी, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने दोषियों के साथ-साथ लापरवाह अधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस मामले की CBI जांच होनी चाहिए। उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि महिला अपराध के मामलों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। शिल्पी कुशवाहा हत्याकांड को लेकर सियासत तेज हो गई है। एक तरफ विपक्ष सरकार पर सवाल उठा रहा है, वहीं पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग और तेज होती जा रही है।अखिलेश यादव ने गाजीपुर, प्रतापगढ़ और फतेहपुर की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय की प्रक्रिया अधूरी है और सपा कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

**घटना : शाहजहांपुर में तेज रफ्तार बोलेरो के सामने आई बाइक, बच्चों के सिर फटे**

# हाईवे पर शॉर्टकट लेने में पति-पत्नी, 2 बच्चों की मौत

- टक्कर से 10 साल की बच्ची और 4 साल का बेटा 10 फीट दूर गिर गए। दोनों के सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही मौत हो गई।

**तमसा संकेत, एजेंसी**

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हाईवे पर बेकाबू बोलेरो और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में पति-पत्नी और बेटा-बेटी की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शॉर्टकट लेने के चक्कर में बाइक सवार परिवार ओवरब्रिज पर रॉन्ग साइड से घुस गया। बोलेरो की स्पीड 100 से ज्यादा थी, इसलिए चालक नियंत्रण नहीं रख पाया और हादसा हो गया। टक्कर से 10 साल की बच्ची और 4 साल का बेटा 10 फीट दूर गिर गए। दोनों के सिर फट गए। पति-पत्नी बोलेरो के नीचे आ गए और करीब 5 मीटर तक

घिसटते रहे। पुलिस के मुताबिक, अरुण धोबी (35) अपनी पत्नी सीमा (30), बेटे नैतिक (4) और बेटी दीक्षा (10) के साथ साले की शादी में गए थे। वहां से घर लौट रहे थे। परिवार में अब सिर्फ 12 साल की बेटी प्रियांशी बची हुई है। उसका रो-रोकर बुरा हाल है। हादसा इतना जोरदार था कि बाइक चूर-चूर हो गई, जबकि बोलेरो का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ड्राइवर बोलेरो छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर डीपीएस स्कूल के पास हुई। निगोही थाना क्षेत्र के रामनगर बगिया गांव के रहने वाले अरुण की शादी 14 साल पहले हुई थी। वह प्राइवेट जॉब करते थे। बुधवार को पुवायां थाना क्षेत्र के सिलखड़ी गांव के रहने वाले उनके साले सर्वजीत की शादी थी। बुधवार सुबह वह स्प्लेंडर प्लस बाइक (यूपी 27 बीवी 3343) से पत्नी और दोनों बच्चों के साथ ससुराल गए थे। बेटी प्रियांशी अपने दादा-दादी के पास रुक गई थी। गुरुवार को शादी संपन्न होने के बाद अरुण पत्नी और बच्चों के साथ घर लौट रहे थे। सुबह 11 बजे डीपीएस स्कूल से कुछ दूर पहले फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार बोलेरो (UP 82 Q 8382) ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में परिवार बुरी तरह घायल हो गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जुट गए। राहगीरों को जुटता देख बोलेरो चालक कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

हादसे में बोलेरो का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

"एसपी सौरभ दीक्षित ने बताया- बाइक की बोलेरो से टक्कर हुई। बाइक सवार पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत हो गई। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। फरार बोलेरो चालक की तलाश की जा रही है।

## पृष्ठ 01 का शेष...

### ये नारी को नारा ...

मंत्री आशीष पटेल ने कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा को बीजेपी में आने का ऑफर दिया। आराधना ने जवाब दिया- ये फसल कांग्रेस की देन है। ज्यादातर वही हैं, नाम लूंगी तो कई दुखी हो जाएंगे। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा- भाजपा सिर्फ नारी को नारा बनाकर राजनीति करना चाहती है। उन्होंने विधानसभा में कविता पढ़ी- यूपी की नारी हूं, हर रोज जलाई जाती हूं. विधान परिषद में भी मंत्री संजय निषाद और सपा एमएलसी जसमीर अंसारी भिड़ गए। निषाद ने जब कहा कि कुछ लोगों ने मुगलों की तलवार से डर के सलवार पहन ली। तो सपा एमएलसी जसमीर अंसारी खड़े हो गए। वे संजय निषाद को टोकने लगे। कहा कि आपकी गलत बात सुनने के लिए यहां नहीं बैठे हैं। आप अपनी बात कीजिए। आप किसी जाति विशेष को नहीं कह सकते। इससे पहले, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने विपक्ष के सामने हाथ जोड़कर कहा कि हमारी बहन-बेटियों को देश की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचाइए। मैं हाथ जोड़कर, सिर झुकाकर अपने निवेदन करता हूं। उन्होंने गेस्ट हाउस कांड का जिक्र कर कहा- सपा के गुंडे और माफिया मायावती की हत्या करना चाहते थे। भाजपा की मदद से उनकी जान बची। निंदा प्रस्ताव के जरिए सरकार ने संदेश देने की कोशिश है कि कांग्रेस-सपा महिला विरोधी हैं। इसलिए आरक्षण बिल पास नहीं होने दिया। जबकि, विपक्ष बताने की कोशिश करेगा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही पारित हो चुका है।

### ऑपरेशन सिंदूर ...

सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक टर्निंग पॉइंट था, जिसने दुनिया को दिखाया कि भारत अब सिर्फ बयान देने वाला देश नहीं है, बल्कि सीधे कार्रवाई करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार की नीति साफ है। देश में किसी भी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सख्त और सीधी कार्रवाई की जाएगी। आतंकवाद की जड़ उसकी विचारधारा और राजनीतिक समर्थन में होती है। इसे खत्म किए बिना आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता। रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। ऑपरेशन 7 मई 2025 को शुरू हुआ था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और PoJK में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पाकिस्तान में 9 बड़े लॉन्चपैड नष्ट किए गए थे और 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया गया।

### आईएससी...

ताकि छात्रों पर ज्यादा पढ़ाई का दबाव न बनें। साल 2024 और 2025 में भी कोई मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई थी। आखिरी बार 2023 में ISC की मेरिट लिस्ट आई थी, जिसमें 5 छात्रों ने मिलकर पहला स्थान हासिल किया था, जिनमें 3 लड़कियां थीं। हालांकि, अलग-अलग विषयों में अच्छे नंबर लाने वाले छात्रों को अलग से सर्टिफिकेट दिया जा सकता है। इस साल ISC 12वीं की एग्जाम में 45 रिटन सब्जेक्ट थे जिसमें से 13 इंडियन लैंग्वेज और दो फॉरेन लैंग्वेज के अलावा 2 क्लासिकल लैंग्वेज भी थी। वहीं ICSE 10वीं की एग्जाम में 67 रिटन सब्जेक्ट थे। इनमें से 20 इंडियन लैंग्वेज, 14 फॉरेन लैंग्वेज और 1 क्लासिक लैंग्वेज थी।

### एग्जिट पोल ...

खड़गे ने कहा, 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। कांग्रेस बंगाल में खुद को मजबूत करने के लिए अकेले लड़ी है।' बंगाल के चीफ इलेक्शन ऑफिसर मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि 29 अप्रैल को बंगाल में सेकेंड फेज चुनाव के दौरान 77 EVM में छेड़छाड़ के मामले सामने आए। उन्होंने 2 मई तक EVM से छेड़छाड़ वाले बूथों पर दोबारा मतदान के संकेत दिए। बंगाल की सभी 294 सीटों पर 23 और 29 अप्रैल को दो फेज में रिकॉर्ड 92.84% वोटिंग हुई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल, केरलम, असम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। 4 मई को सभी राज्यों के रिजल्ट आएंगे। बुधवार शाम एग्जिट पोल जारी हुए। बंगाल के 7 एग्जिट पोल में से 5 में भाजपा, 2 में TMC सरकार का अनुमान जताया गया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान भाजपा ने केंद्रीय बलों के जरिए दबाव बनाने की कोशिश की, ताकि TMC को कड़ी चुनौती दी जा सके। उन्होंने कहा कि नतीजों के लिए 4 मई तक इंतजार करना होगा, तब साफ तस्वीर सामने आएगी।

### रेप विक्टिम के ...

ऐसे मामलों में फैसला पीड़ित का ही होना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को करीब सात महीने प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को अबॉर्शन की इजाजत दी थी। इसके खिलाफ AIIMS ने याचिका लगाई थी। क्योंकि अभी भारत का कानून रेप मामलों में 24 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी में ही अबॉर्शन की इजाजत देता है। AIIMS की दलील पर कोर्ट ने कहा- आपका सारा ध्यान सिर्फ बच्चे (भ्रूण) पर है, उस मां पर नहीं जिसने इतना दर्द सहा है। यह चाइल्ड रेप का मामला है। पीड़ित को जिंदगीभर का दर्द और ट्रॉमा झेलना पड़ेगा। अब यह भ्रूण बनाम नाबालिग बच्ची की लड़ाई है। 24 अप्रैल को सुनवाई में विक्टिम के वकील ने बताया था कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं।

# इंडिगो फ्लाइट के सामने आया बंदर

## रनवे पर पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया

**तमसा संकेत, संवाददाता**

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे पर गुरुवार सुबह फ्लाइट के सामने अचानक बंदर आ गया। पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए। फ्लाइट 135 यात्रियों के साथ रायपुर के लिए उड़ान भरने वाली थी। तुरंत ही फ्लाइट को टैक्सी-वे पर लाया गया। प्रोटोकॉल और जरूरी जांच के बाद फ्लाइट को सवा घंटे बाद रवाना किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, घटना सुबह 8.55 बजे इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान (6E-6521) के साथ हुई। फ्लाइट उड़ान भरने के लिए रनवे पर कुछ दूरी तय कर चुकी थी। पायलट की सूझबूझ की वजह बड़ा हादसा टल गया। फ्लाइट ने सुबह 10:05 बजे रायपुर के लिए उड़ान भरी। अचानक ब्रेक

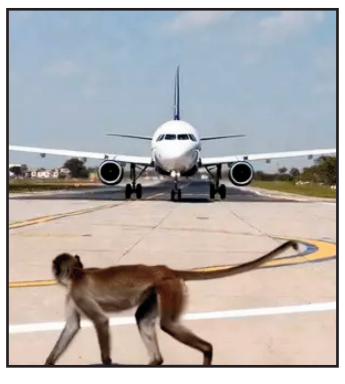

लगने से फ्लाइट सवार सभी यात्री और क्रू मेंबर घबरा गए। एयरपोर्ट प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। इस दौरान सुरक्षा में तैनात 'फॉलो मी' वाहन के कर्मचारियों ने तुरंत बंदर को रनवे से भगाया। वना से इनकार किया है।


तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676